

(ग) उस सम्मेलन में किन-किन बातों पर विचार किया गया ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री कृष्ण मेनन):

(क) जी हाँ; ७ अगस्त से ६ अगस्त, १९५७ तक।

(ख) जेनरल के. एस. थिमय्या, चीफ आफ आर्मी स्टाफ और मेजर जेनरल एल. पी. सेन, मास्टर जेनरल आफ आर्डनेंस।

(ग) प्रायः सम्बद्ध देशों की सेना में की व्यवसाय सम्बन्धी रुचि वाले मामलों पर विचार किया जाता है।

Price of Coal

*1586. Shri T. B. Vittal Rao: Will the Minister of Steel, Mines and Fuel be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 70 on the 16th May, 1957 and state:

(a) whether any final decision has been arrived at regarding the proposal to have uniform prices for coal all over the country;

(b) if not, the reasons therefor; and

(c) when a firm decision will be taken in this regard?

The Minister of Steel, Mines and Fuel (Sardar Swaran Singh): (a) No.

(b) & (c). Before taking a final decision in the matter, it is necessary to consider the recommendations of the Rail Sea Co-ordination Committee and the Railway Freight Structure Enquiry Committee. The reports of these two committees are still under examination.

New Oil Refinery

*1596. Shri Liladhar Kotaki: Will the Minister of Steel, Mines and Fuel be pleased to refer to the reply given to short Notice Question No. 2 on the 5th August, 1957 and state whether a body of experts has been selected for preparing the project studies for Barauni and Gauhati with a view to take a final decision regarding the location of the new Oil Refinery?

The Minister of Mines and Oil (Shri K. D. Malaviya): The matter is still under consideration.

हिन्दी टाइपराइटर का की-बोर्ड

*१६०१. श्री मोहन स्वल्प: क्या शिक्षा और वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा स्वीकृत हिन्दी टाइपराइटर के की-बोर्ड में हिन्दी अक्षरमाला के संयुक्त अक्षरों जैसे इ, ड, त, व, रू, द, ह्य, य आदि को कोई स्थान नहीं दिया गया है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस नये की-बोर्ड की ऊपरी लाइन में प्रत्येक 'की' में तीन अक्षर होंगे, जिस से हिन्दी की पहले ही प्रति कठिन टाइपिंग की धीमी गति के और अधिक धीमा हो जाने की आशंका है; और

(ग) इन नये परिवर्तनों से हिन्दी टाइपिंग में जो भ्रष्टापन आ जाने की संभावना है, उसके निवारण के लिये सरकार क्या कदम उठा रही है?

शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्रालय से राज्य-मंत्री (डा० का० ला० श्रीलाली): (क) जी, हा। यह की-बोर्ड लखनऊ सम्मेलन की सिफारिशों पर आधारित है। लखनऊ सम्मेलन ने ऐसे संयुक्त अक्षरों को अस्वीकार कर दिया था।

(ख) की-बोर्ड की सबसे ऊपर की लाइन से प्रत्येक 'की' में तीन अक्षर होंगे परन्तु इससे हिन्दी टाइपिंग की गति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। तीसरी शिफ्ट केवल दूसरे प्रकार के अक्षरों के लिए होगी और टाइप करते हुए ऊपरी लाइन में एक समय में केवल दो शिफ्टों का ही प्रयोग होगा।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।